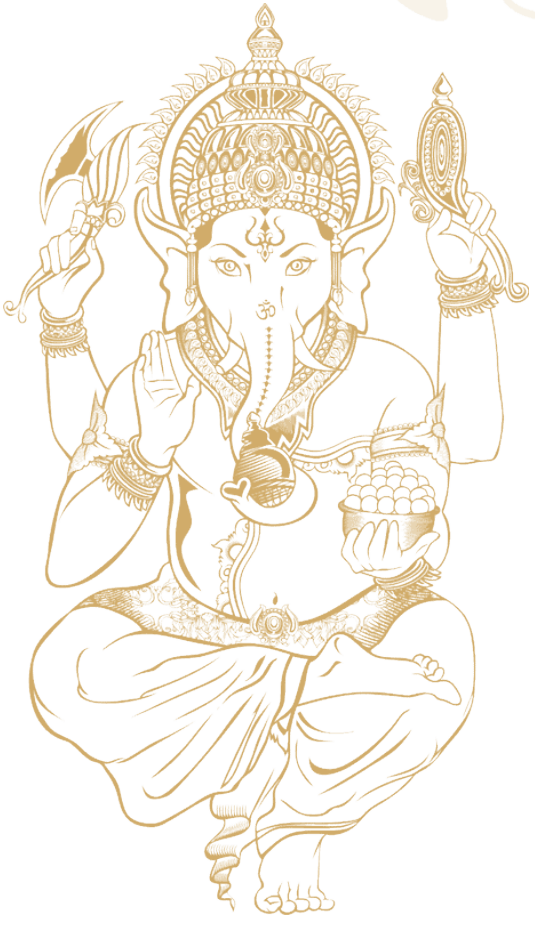

Mr. Nishikant

Ms.nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120162717

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/05/2000	जन्म तिथि	26-27/01/2003
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 30:12:11	जन्म समय(घटी)	56:57:17 घटी
India	देश	India
Mandsaur	स्थान	Khachrod
24:03:00 उत्तर	अक्षांश	23:25:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:20	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:07	सूर्योदय	07:11:24
19:06:20	सूर्यास्त	18:11:04
23:51:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 14वर्ष 9मा 29दि		19:01:30	तुला	लग्न	धनु	23:07:38	शनि 17वर्ष 5मा 21दि	
शुक्र		04:57:37	वृष	सूर्य	मक	12:44:29	बुध	
19/03/2022		18:22:05	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	19/07/2020	
19/03/2042		17:04:46	वृष	मंगल	वृश्चि	12:26:44	19/07/2037	
शुक्र	18/07/2025	17:04:26	वृष	बुध	धनु	19:22:11	बुध	16/12/2022
सूर्य	19/07/2026	26:42:42	मेष	गुरु व	कर्क	20:03:02	केतु	13/12/2023
चन्द्र	18/03/2028	28:46:21	मेष	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र	13/10/2026
मंगल	19/05/2029	27:41:56	मेष	शनि व	वृष	28:52:28	सूर्य	19/08/2027
राहु	18/05/2032	02:10:47	कर्क व	राहु	वृष	13:02:37	चन्द्र	18/01/2029
गुरु	17/01/2035	02:10:47	मक व	केतु	वृश्चि	13:02:37	मंगल	15/01/2030
शनि	19/03/2038	26:57:10	मक	हर्ष	कुंभ	03:40:09	राहु	03/08/2032
बुध	17/01/2041	12:40:57	मक व	नेप	मक	16:37:01	गुरु	09/11/2034
केतु	19/03/2042	18:02:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	शनि	19/07/2037

लग्न-चलित

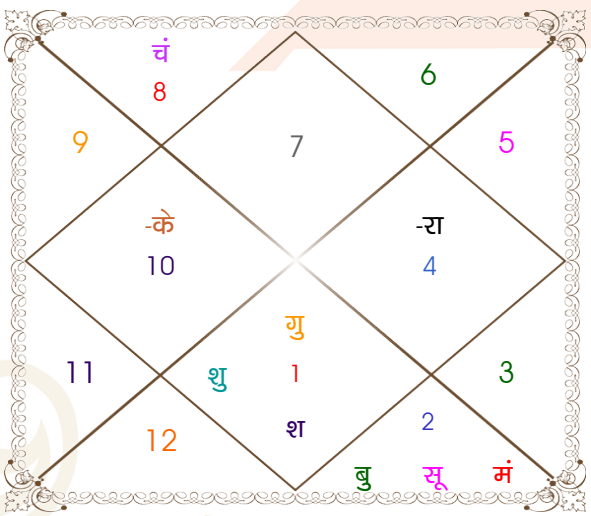

लग्न-चलित

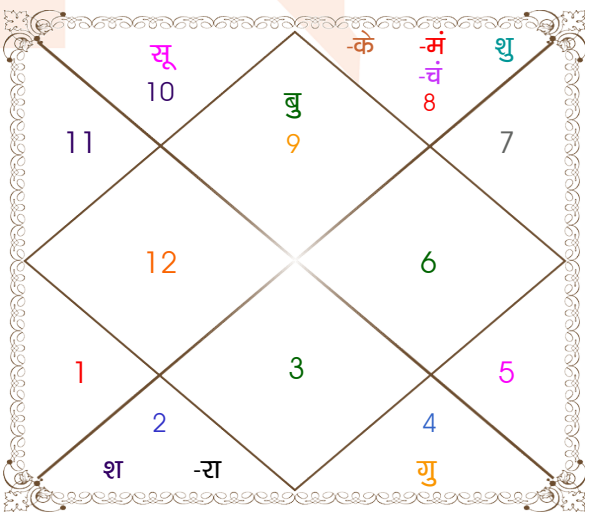

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

डतण छपेपांदज का वर्ग सर्प है तथा Ms.nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण छपेपांदज और Ms.nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण छपेपांदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nivedita कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् छपेीपांदज तथा Ms.nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।